Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 49 , 13 नवम्बर, सोमवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

जीएसटी कटौती का श्रेय लेने की होड़

कांग्रेस बोली, राहुल के अभियान से घबराई मोदी सरकार ने मजबूरी में उठाया कदम

नई दिल्ली।

जीएसटी दरों में कटौती के बाद इसका श्रेय लेने की होड़ मच गई है। कांग्रेस इसका क्रेडिट पार्टी उपाध्यक्ष राहुल गांधी को दे रही है। वहीं राहुल ने ट्वीट कर इसका श्रेय कांग्रेस और जनता को दिया है। उन्होंने शनिवार को कहा कि भारत को 'गब्बर सिंह टैक्स' नहीं सरल जीएसटी चाहिए। कांग्रेस और देश की जनता ने लड़कर कई वस्तुओं पर से 28 फीसदी टैक्स खत्म करवाया है। हालांकि 18 फीसदी कैप के साथ एक रेट के लिए हमारा संघर्ष जारी रहेगा। अगर भाजपा ये काम नहीं करेगी तो कांग्रेस करके दिखाएगी।

दूसरी ओर कांग्रेस के मीडिया प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला का कहना है कि राहुल गांधी के जीएसटी पर बनाए गए लगातार दबाव और उन्हें मिल रहे जनता के समर्थन के आगे केंद्र की मोदी सरकार और जीएसटी काउंसिल को झुकना पड़ा। सरकार दैनिक उपयोग की कुछ वस्तुओं पर टैक्स 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने पर मजबूर हो गई।

सुरजेवाला का कहना है कि जीएसटी दरों में किस्तों में किया गया फेरबदल मोदी सरकार के नौसिखियेपन का बड़ा सबूत है।

चंद्राला में शनिवार को नाश्ता करते कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी। साथ में मौजूद अशोक गहलोत व अन्य।

अदूरदर्शी भाजपा केवल चुनावी फायदा देखती है इसलिए देश के विकास के लिए जीएसटी की संरचना, दरों में आमूलचूल परिवर्तन जरूरी है। कांग्रेस पार्टी देश के 125 करोड़ लोगों को सच्चाई का आइना दिखा रही है। जबकि मोदी सरकार की आंखों पर स्वार्थ की पट्टी बंधी है। 'गब्बर सिंह टैक्स' कुछ पूंजीपति मित्रों के फायदे के लिए है। लेकिन छोटे व्यापारियों, लघु एवं कुटीर उद्योगों व असंगठित क्षेत्र को इससे भारी नुकसान हुआ है। कांग्रेस का कहना है कि वित्तमंत्री अरुण जेटली ने जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद अर्द्धसत्य बयान किया। दरअसल, देश के लोगों और कांग्रेस पार्टी के विरोध के आगे भाजपा सरकार का अहंकार हार गया है। राजनैतिक उथलपुथल और जनविरोध के आगे भाजपा सरकार घुटने टेकने पर मजबूर हुई। उन्हें अपना तानाशाही कदम पीछे लेना पड़ा।

बावजूद चंद वस्तुओं पर लगने वाले टैक्स को आंशिक तौर से कम करने से जीएसटी का दोषपूर्ण स्वरूप व अर्थव्यवस्था पर लग रही करारी चोट की वास्तविकता नहीं बदल सकती है। कांग्रेस ने पेट्रोल-डीजल को भी जीएसटी के दायरे में लाने की मांग की। एजेंसी

गुजरात की सभी 182 सीटों पर चुनाव लड़ेगी बसपा

लखनऊ। गुजरात विधानसभा के चुनाव में बसपा सभी 182 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती गुजरात में बसपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा भी करने जाएंगी। मायावती की पहली जनसभा राजकोट में प्रस्तावित है। बसपा ने गुजरात विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। बसपा के यूपी प्रदेश अध्यक्ष राम अचल राजभर गुजरात के प्रभारी हैं। यहां नगर निकाय चुनाव में प्रत्याशियों का सिंबल आवंटित करने के बाद राजभर गुजरात पहुंच गए हैं। वह वहां गुजरात यूनिट के पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर प्रत्याशियों केचयन से जुड़ी कार्यवाही पूरी कराएंगे। वह बसपा सुप्रीमो मायावती की अनुमति लेकर वहीं प्रत्याशियों का एलान करेंगे। राजभर के साथ बिल्थरा रोड बलिया से विधानसभा का चुनाव लड़ चुके पूर्व कोआर्डिनेटर चट्टू राम और महराजगंज के बसपा नेता श्रीकांत भी गुजरात गए हैं। बसपा प्रदेश अध्यक्ष राम अचल राजभर ने गुजरात से फोन पर बताया कि गुजरात का विधानसभा चुनाव भाजपा का हारना तय है। भाजपा दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों के साथ-साथ शहरी वर्ग का विश्वास पूरी तरह खो चुकी है। उन्होंने बताया कि बसपा भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशियों के एलान का इंतजार कर रही है। पार्टी सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशी उतारेगी। हर सीट के लिए तीन-तीन प्रत्याशियों का पैनल तैयार है। ब्यूरो

राजकोट में शनिवार को केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर का स्वागत करतीं भाजपा कार्यकर्ता।

कांग्रेस जनविरोधी, भाजपा जीत के प्रति आश्वस्त : जावड़ेकर

भाजपा ने किया है सौराष्ट्र और कच्छ तक नर्मदा का पानी लाने का काम

राजकोट। विपक्षी कांग्रेस को 'जन विरोधी' करार देते हुए केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शनिवार को विश्वास जताया कि अगले महीने गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी शानदार जीत हासिल करेगी।

जावड़ेकर ने पार्टी के घर-घर जाकर प्रचार अभियान के दौरान कहा, 'गुजरात में चुनाव जीतने के प्रति भाजपा पूरी तरह आश्वस्त है। राज्य सरकार ने जो काम किया है उसके आधार पर पार्टी बड़ी जीत हासिल करेगी।' उन्होंने कहा, 'गुजरात में राज्य सरकार ने जो सबसे महत्वपूर्ण काम किया है उसमें नर्मदा का पानी राज्य के सूखाग्रस्त इलाके सौराष्ट्र और कच्छ तक लाना शामिल है।' केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'कांग्रेस ने हमेशा से नर्मदा परियोजना को रोकने की कोशिश की। यह (कांग्रेस) जन विरोधी है और इसलिए लोग (भाजपा) सरकार के साथ हैं जिसने क्षेत्र में पानी लाने का काम किया है।'

नवसारी में भाजपा कार्यकर्ता संग सेल्फी लेतीं स्मृति ईरानी।

भाजपा नेता ने कहा, 'इस परियोजना के तहत सौराष्ट्र एवं कच्छ क्षेत्र के दस हजार गांवों तथा 173 कस्बों और शहरों में पीने का पानी मुहैया करवाया जा रहा है। यह (नर्मदा का पानी यहां लाया जाना) एक चमत्कार के सिवा और कुछ नहीं है।' मंत्री ने दावा किया कि केंद्र सरकार के सभी वार्षिक सर्वेक्षणों में गुजरात पहले स्थान पर है। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए जावड़ेकर ने कहा, 'वे लोग एक बस में घूम रहे हैं जबकि हम लोगों के दिल में हैं।' एजेंसी

भारत को पाक से करनी होगी बात : फारूक

नेकां प्रमुख अब्दुल्ला बोले, स्वायत्तता हमारा अधिकार, केंद्र इसे बहाल करे

अमर उजाला ब्यूरो

श्रीनगर।

नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीर को लेकर शनिवार को एक बार फिर जहर उगलते हुए कहा कि आंतरिक स्वायत्तता हमारा अधिकार है और केंद्र सरकार को इसे बहाल करना चाहिए। तभी घाटी में शांति लौटेगी। फारूक बोले, दोनों हिस्सों के लोगों को स्वायत्तता का अधिकार दिया जाना चाहिए। केंद्र के विशेष प्रतिनिधि दिनेश्वर शर्मा के घाटी के दौरे को लेकर उन्होंने कहा, 'सिर्फ वार्ता से मुद्दे का हल नहीं होगा क्योंकि यह मुद्दा दो देशों के बीच का है। भारत सरकार को पाक सरकार से बात करनी होगी क्योंकि जम्मू-कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के पास है।

...सरकार को याद नहीं है विलय पत्र

पीओके को भारत का हिस्सा बताने संबंधी केंद्रीय गृह राज्यमंत्री हंसराज अहीर के बयान का जिक्र करते हुए जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक बोले, 'कश्मीर के तत्कालीन महाराजा हरि सिंह और भारत सरकार के बीच विलय पत्र पर हुए हस्ताक्षर को याद कीजिए। आपको विलय पत्र याद नहीं है और कश्मीर के दूसरे हिस्से (पाक के कब्जे वाले कश्मीर) पर दावा करते हैं। आप उन शर्तों को क्यों भूल गए, जिन पर हम सहमत हुए थे। पीओके पाकिस्तान का हिस्सा है और बना रहेगा।'

हाईकोर्ट की परीक्षाओं के सॉल्वर गैंग का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

इलाहाबाद।

हाईकोर्ट की ग्रुप सी और डी परीक्षा में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से पेपर सॉल्व कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एसटीएफ ने शुक्रवार को चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से सवा सौ से ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद हुए हैं। उनकी इलाहाबाद और वाराणसी के कई परीक्षा केंद्रों में सेटिंग कर बड़े पैमाने पर नकल कराने की साजिश थी। उनके पास से दो लाख 38 हजार रुपये भी बरामद हुए हैं।

एसटीएफ के एएसपी प्रवीण सिंह चौहान को सूचना मिली थी कि हाईकोर्ट की ग्रुप सी और डी की 12 नवंबर को होने वाली परीक्षा में एक गिरोह पैसे लेकर बड़े पैमाने पर नकल कराने की योजना बना रहा है। शुक्रवार शाम एसटीएफ टीम ने कचहरी के पास से गिरोह के मास्टर माइंड मनीष मिश्रा निवासी औंता मेजा, सुनील उपाध्याय निवासी सुरियावां भदोही, कृष्णकांत दुबे निवासी औराई, भदोही और राजकुमार यादव निवासी कछवा मिर्जापुर को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से तीन प्रकार के 54 इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद हुए। इसके अलावा 45 ब्लूटूथ डिवाइस, 12 नवंबर को होने वाली हाईकोर्ट की परीक्षा में अभ्यर्थियों से दो से तीन लाख रुपये में नकल कराने की प्लानिंग हुई थी। पकड़े गए गिरोह ने एक और बड़ा खुलासा किया है। पिछले महीने हुई टीईटी में इस गिरोह ने बड़े पैमाने पर नकल कराई थी। गिरोह के पास से टीईटी की 19 ओएमआर शीट बरामद हुई है।

दो लाख 38 हजार बरामद आज होनी है परीक्षा

अब अलगाववादियों को मनाएंगे दिनेश्वर के दूत

जम्मू।

केंद्रीय वार्ताकार दिनेश्वर शर्मा के दूत अलगाववादियों को वार्ता की मेज पर लाएंगे। दिनेश्वर का अगला दौरा दिसंबर में संभावित है। इससे पूर्व अलगाववादियों से बातचीत के लिए दूतों को सक्रिय करने की रणनीति बनी है। शर्मा पांच दिवसीय दौरा पूरा कर शनिवार को दिल्ली रवाना हो गए। इस दौरान वह करीब 100 संगठनों से मिले।

योजना के तहत दिसंबर में दिनेश्वर से वार्ता से पहले इन दूतों से अलगाववादियों की बातचीत होगी। पेचीदे मसलों पर सहमति का फॉर्मूला तलाशने के बाद वार्ताकार और अलगाववादी रूबरू हो सकते हैं। शासन के उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक दूत की भूमिका के लिए दो निर्दलीय विधायकों से संपर्क किया गया है। एक-दो पूर्व अफसरों को जोड़ने की कोशिश शुरू हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात के पहले वार्ताकार की मंत्रालय के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों से मंत्रणा होगी। मंत्रालय के अतिरिक्त गृह सचिव बीआर शर्मा जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव रह चुके हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता अशोक प्रसाद राज्य के डीजीपी रहे हैं। वार्ताकार के पांच दिनों के दौरे में हुई प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात के क्रम में उभरकर सामने आए मुद्दों पर मंथन के बाद अगली रणनीति होगी। सूत्रों का कहना है कि टेरर फंडिंग में एनआईए की जारी जांच को कुछ समय के लिए स्थगित किया जा सकता है। बातचीत के लिए माहौल बनाने की रणनीति के तहत अलगाववादियों को कुछ राहत दी जा सकती है। इस बीच केंद्र ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवादियों के खिलाफ अभियान पर वार्ता की कोशिशों का कोई असर नहीं पड़ेगा। सौयद अली शाह गिलानी, मीरवाइज उमर फारूक और यासिन मलिक का संयुक्त मोर्चा मंत्रणा के बाद संयुक्त रूप से फैसले लेता है।

पांच दिवसीय दौरा पूरा कर दिल्ली लौटे वार्ताकार, जम्मू और कश्मीर में करीब 100 संगठनों से मिले

पाक ने पुंछ में तोड़ा सीजफायर

पुंछ। नियंत्रण रेखा पर खड़ी करमाड़ा सेक्टर में शनिवार देर शाम को पाकिस्तानी सेना ने सीजफायर का उल्लंघन किया। इस दौरान भारतीय सेना की अग्रिम चौकियों को निशाना बनाकर हल्के हथियारों एवं राकेटों से गोलाबारी की गई। भारतीय सेना ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। जानकारी के अनुसार शनिवार की देर शाम करीब सवा पांच बजे जिले की खड़ी करमाड़ा सेक्टर में नियंत्रण रेखा के उस पार तैनात पाक सेना की 24 फ्रंटियर फोर्स ने भारतीय सेना की 15 मराठा लाई की अग्रिम चौकियों कुंज्जां, ब्राउनपैच और डंडा वन को निशाना बनाते हुए पहले यूनिवर्सल मशीनगनों से गोलीबारी शुरू की। बाद में राकेट भी दागने शुरू कर दिए। जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी उसी क्रम में पाक सेना की चौकियों पर गोलाबारी शुरू की। ब्यूरो

पाकिस्तानी गोलाबारी प्रभावितों ने केंद्रीय टीम को रो रोकर बताई पीड़ा

नौशेरा/पुंछ। पाक गोलाबारी प्रभावितों की समस्याओं का अध्ययन करने के लिए गठित केंद्रीय गृह मंत्रालय की टीम के समक्ष ग्रामीणों ने रो रोकर अपनी पीड़ा बताई। टीम ने शनिवार को राजोरी जिले में नौशेरा और पुंछ का दौरा कर ग्रामीणों की बात सुनी।

नौशेरा में टीम ने एलओसी से सटे गांवों का दौरा किया। इसके बाद झांगड के सरकारी मिडिल स्कूल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। पीड़ा सुनाते हुए पूर्व सरपंच व नौशेरा बॉर्डर माइग्रेंट के प्रधान पुरुषोत्तम लाल रो पड़े। यह देख मौजूद अन्य लोगों की आंखें भी नम हो आईं। उनका कहना था कि पाक गोलाबारी के चलते बार बार उन्हें उजड़ना पड़ रहा है। वर्ष 1947 से लेकर अब तक हमारे साथ-साथ बच्चों का भविष्य भी बिखर गया है। ग्रामीणों ने कश्मीरी विस्थापितों की तर्ज पर कोटा देने, घर-घर में बंकर बनाए जाने, केंद्रीय विद्यालय खोलने तथा विस्थापितों का बिजली बिल एवं लोन माफ करने की मांग की। इसके साथ ही गोलाबारी में मारे गए मवेशियों का मुआवजा एक लाख व घायल का 50 हजार देने, तारबंदी को बार्डर के पास करने की भी आवाज उठाई।

एलओसी पर नौशेरा और पुंछ से सटे गांवों का किया दौरा

झांगड़-मीरपुर कोटली मार्ग खोलने की मांग : नौशेरा में उपस्थित विधायक रवींद्र रैना तथा एमएलसी सुरिंदर चौधरी ने झांगड़ से मीरपुर कोटली तक के मार्ग को खोलने की मांग उठाई ताकि भारत-पाक के बीच व्यापार बढ़ने के साथ ही अपनों से बिछुड़े लोगों से मिलने का मार्ग भी प्रशस्त हो सके **बन रहे बंकरों का स्थलीय निरीक्षण किया :** टीम ने गणया (डनका) में बन रहे बंकरों का भी निरीक्षण किया। गृह मंत्रालय की आंतरिक सुरक्षा की विशेष सचिव रीना मित्रा, संयुक्त सचिव ज्ञानेश्वर कुमार, निदेशक आरके स्वर्णकार के साथ डिविजनल कमिश्नर डॉ. मंदीप भंडारी तथा संबंधित जिलों के अधिकारी थे। ब्यूरो

प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद दो भारतीय जवानों का अंतिम संस्कार आज

नई दिल्ली। फ्रांस में प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान अपनी कुर्बानी देने वाले 39वीं रॉयल गढ़वाल राइफल्स के दो भारतीय जवानों का अंतिम संस्कार रविवार को होगा। यह कार्यक्रम ला गोर्ग स्थित फ्रेंच मिलिट्री सेमेटरी में किया जाएगा।

पिछले साल 20 नवंबर को पेरिस से 20 किलोमीटर दूर लावेंती मिलेट्री सेमेटरी के पास रिचबर्ग गांव के पास की जा रही खुदाई के दौरान दो मानव अवशेष पाए गए थे। इनकी जांच करने पर पता चला कि ये 39वीं रॉयल गढ़वाल राइफल्स के जवान हैं। एक बयान में कहा गया है कि इन गुमनाम नायकों की कब्र के संरक्षक कॉमनवेल्थ वार ग्रेव्स कमीशन ने फ्रांस सरकार और फ्रांस में भारतीय दूतावास से संपर्क कर तय किया कि दोनों शहीद सैनिकों का पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाए। इस समारोह में हिस्सा लेने के लिए गढ़वाल राइफल्स रेजीमेंट सेंटर के कमांडेंट और सूबेदार मेजर, गढ़वाल राइफल्स रेजीमेंटल पाइप बैंड के दो बैगपाइपर और कर्नल नितिन नेगी के नेतृत्व में भारतीय सेना का प्रतिनिधिमंडल नियुक्त किया गया है। एजेंसी

ट्वीट से ट्रेन पर आई मक्खन की खेप

17 मीट्रिक टन अमूल बटर से लदी पहली रेफ्रिजरेटर वैन रवाना

एक महीने पहले कंपनी ने रेलवे को ट्विटर पर भेजा था प्रस्ताव

नई दिल्ली। करीब एक महीने पहले डेयरी कंपनी अमूल ने भारतीय रेलवे के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक बिजनेस प्रस्ताव भेजा। इसमें रेलवे के रेफ्रिजरेटर पार्सल वैन के जरिए अमूल के मक्खन को देश भर में पहुंचाने का प्रस्ताव था। शुक्रवार को अमूल ने ट्वीट किया कि पहली खेप चल चुकी है। वह रास्ते में है।

अमूल ने ट्वीट किया, 17 मीट्रिक टन अमूल बटर से लदी हुई पहली रेफ्रिजरेटर वैन हमारी मिल्क ट्रेन के साथ पालमपुर से दिल्ली के लिए रवाना हो चुकी है। रेल मंत्रालय का धन्यवाद।

23 सितंबर को अमूल ने रेलवे मंत्रालय के ट्विटर हैंडल पर प्रस्ताव पर सुझाव मांगा। इसमें लिखा था कि डेयरी कंपनी अमूल बटर को पूरे भारत में पहुंचाने के लिए रेफ्रिजरेटर पार्सल वैन का इस्तेमाल करना चाहती है। इसके जवाब में रेलवे ने अमूल की मशहूर टैग लाइन इस्तेमाल करते हुए लिखा, भारतीय रेलवे टेस्ट ऑफ इंडिया को हर भारतीय तक पहुंचाने में खुशी महसूस करेगा।

रेलवे काफी समय से ट्विटर के जरिए यात्रियों की समस्याओं का समाधान कर रहा है। पर पहली बार बिजनेस प्रस्ताव को सोशल साइट के जरिए लिया गया। रेलवे ने कुछ साल पहले रेफ्रिजरेटर वैन सर्विस शुरू की थी। इसका मकसद फल, सब्जी, फ्रोजेन मीट और चाकलेट की ढुलाई की सुविधा देना था। पर यह सेवा कुछ विशेष मार्ग पर ही है। एजेंसी

अमेरिका में गुजराती युवक की गोली मारकर हत्या

वडोदरा। गुजरात के आणंद के मूल निवासी एक अप्रवासी भारतीय की शनिवार को नॉर्थ कैरोलिना में गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। आकाश तलाती (40) का यहां फ्रेटवेल रोड पर मोटल चलाते थे। उनके पिता रमेश तलाती आणंद आर्ट्स कॉलेज के प्रिंसिपल थे और आकाश उनका इकलौता बेटा था। आकाश एक दशक पहले ही अमेरिका में बस गया था। उनकी हत्या से आणंद-लंभवेल रोड पर संकेत रेजीडेंसी में रहने वाला उनका परिवार सदमे में है। हत्यारों की पहचान नहीं हो पाई है। परिजनों का कहना है कि हमलावर लूटपाट के इरादे से मोटल में आए थे। एजेंसी

उत्तराखंड में खनन माफिया का वनकर्मियों पर हमला

सेलाकुई। उत्तराखंड में मल्हान रेंज के मूलकचंद गांव के पास रिजर्व फॉरेस्ट में अवैध खनन से लदी ट्रैक्टर-टॉली रोकने पर खनन माफिया ने वनकर्मियों पर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया।

लाठी डंडों के सहारे अपहरण का प्रयास किया

इतना हीं नहीं एक कर्मचारी को कार में डालकर अपहरण का प्रयास भी किया। कर्मचारी ने कार से कूदकर किसी तरह जान बचाई। कार से कूदने के दौरान उसकी टांग टूट गई। कर्मचारी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ब्यूरो

सर्दी में सैलानियों के लिए सस्ता हुआ कश्मीर घूमना

जम्मू।

कश्मीर में विंटर टूर के सस्ते पैकेज तैयार हैं। इससे से सर्दी में सैलानियों के लिए कश्मीर घूमना सस्ता हो गया है। बीते साल आतंकी बुरहान वानी की मौत के बाद पर्यटन को धक्का पहुंचा था। इस वजह से यहां न के बराबर पर्यटक पहुंचे थे। अब की बार पर्यटकों को लुभाने के लिए कई तरह के पैकेज तैयार हैं। दो साल पहले इस सीजन में जो पैकेज करीब 45 हजार का था। इस बार वही पैकेज महज 28 हजार रुपये में मुहैया कराया जा रहा है। निजी टूर ऑपरेटरों की ओर से दो लोगों के लिए 7 दिन व 8 रात के इस पैकेज में वैष्णो देवी की धार्मिक यात्रा के साथ ही गुलमर्ग, सोनमर्ग की राउंड ट्रिप और पहलगाम में रात्रि स्टे शामिल है। इसके बाद श्रीनगर की सैर और हाउस बोट में एक रात का स्टे भी दिया जा रहा है। यह महज बानगी भर है। एडवेंचर और इको टूरिज्म के अन्य पैकेजों में भी इसी तरह से 25 से 40 फीसदी तक की छूट दी जा रही है। सीजन पैकेज को बजट पैकेज में तब्दील कर दिया गया है। यहां तक कि इसी बजट में डीलक्स होटल तक की सुविधा मुहैया कराई जा रही है।

25-40

फीसदी छूट, 45 हजार का पैकेज 28 हजार रुपये में

घाटी में पर्यटन को पटरी पर लाने की कवायद

बुरहान की मौत के बाद थम गए थे पर्यटक

प्री-बुकिंग पहले से 10% से भी कम

अमूमन कश्मीर के लिए प्री-बुकिंग होती थी, लेकिन यह संख्या अब 10 फीसदी से भी कम रह गई है। एक निजी टूर ऑपरेटर कंपनी के बिजनेस एसोसिएट एके गुप्ता के मुताबिक बीते साल पर्यटक नहीं थे और इस साल भी कश्मीर घाटी में पर्यटन से जुड़े हालात में ज्यादा सुधार नहीं आया है।

वाह री पुलिस! चार साल के मासूम पर लगा दिया गुंडा एक्ट

एसडीएम की जांच में हुआ खुलासा तो निरस्त की रिपोर्ट

बाराबंकी।

बाराबंकी पुलिस ने चार साल के बच्चे के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई कर दी। मामला जब एसडीएम के पास पहुंचा तो इसका खुलासा हुआ। इस पर एसडीएम ने पुलिस को जमकर फटकार लगाई।

मोहम्मपुर खाला थाना क्षेत्र के सूरतगंज निवासी शेर मोहम्मद व इलयास के बीच डेढ़ माह पूर्व मारपीट हुई थी। पुलिस ने शेर मोहम्मद, शकील, शाहेआलम व नूर आलम के साथ साढ़े चार वर्षीय मासूम के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 110 जी धारा के तहत रिपोर्ट एसडीएम रामनगर को भेज दी। जब नोटिस घर पहुंचा तो घर पर किसी के न होने पर चार वर्षीय बच्चे ने हस्ताक्षर कर नोटिस तामील की थी। पिता को पता लगा कि उसके चार साल के बेटे के खिलाफ भी पुलिस ने गुंडा एक्ट लगा दिया है तो उसने एसडीएम के समक्ष पेश होकर पुलिस का कारनामा बताया। एसडीएम ने पुलिस को फटकार लगाते हुए बच्चे पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई को निरस्त कर दिया।

साख बनाने में बीस साल लगते हैं और उसे गंवाने में बस पांच मिनट, अगर आप इस बारे में सोचेंगे तो आप चीजें अलग तरह से करेंगे। वॉरेन बफे

''ऑड-ईवन'

चैनल दिन-रात लगे हैं। विशेषज्ञ लगे हैं-जिनके अपने फेफड़े पता नहीं कैसे ठीक ठाक हैं? एंकर, रिपोर्टर और डॉक्टर दिल्ली वालों की चिंता में घुले जा रहे हैं। जो लोग अपने मरीजों से मोटी फीस लेकर उनकी दो मिनट भी नहीं सुनते, ऐसे लोग चैनलों में घंटों बैठे रहते हैं।..क्यों? बरसात के कुछ दिनों को छोड़ दें तो दिल्ली का आसमान धूल और धुएं से कमोबेश भरा ही रहता है। लोग काम पर निकलते हैं, और जितना धूल धुआं फांकना होता है, फांकते हैं, लेकिन इस बार जाड़े के इन ऐन शुरुआती दिनों में जिस तरीके से मीडिया ने दिल्ली की हवा को खतरनाक बताया है, वैसा कभी नहीं बताया। पिछले साल भी इतना नहीं बताया।कई चैनल बार-बार दो फेफड़े दिखाते हैं। एक ''प्रदूषण रहित' वाला है, दूसरा ''प्रदूषण से पीड़ित हो चुका' वाला है। एक कुछ लाल-लाल-सा दिखता है, दूसरा एकदम काला। एक तगड़ा-सा डॉक्टर बताता है कि ये एक बच्चे के फेफड़े हैं, ऐसा लगता है कि उसने तीन सौ सिगरेट पी हों। दिल्ली की हवा बच्चों के लिए खतरनाक है। उसे बीमार कर सकती है..। चैनल दिन-रात लगे हैं। विशेषज्ञ लगे हैं-जिनके अपने फेफड़े पता नहीं कैसे ठीक-ठाक हैं? चैनलों के एंकर, रिपोर्टर और डॉक्टर दिल्लीवासियों की चिंता में घुले जा रहे हैं। जो लोग अपने मरीजों से मोटी फीस लेकर उनकी दो मिनट भी नहीं सुनते, ऐसे लोग चैनलों में घंटों बैठे रहते हैं।..क्यों? क्या हमारे लिए? जी नहीं जनाब। अपना ब्रांड बनाने के लिए। अपने को बेचने के लिए। चैनलों की खबरें और बहसें दिल्ली की हवा के बिगड़ने के कई कारण बताती हैं। पहला: पंजाब-हरियाणा के किसानों के खरपतवार या पराली जलाने से धुआं बनता है, और वह उड़कर दिल्ली के आसमान में ठहर जाता है। दूसरा : दिल्ली में बदरपुर पॉवर प्लांट कोयले से बिजली बनाने के कारण धुआं उगलता है। तीसरा : दिल्ली में पुल, सड़कें और मकान बनते ही रहते हैं, और इनसे पैदा होती धूल, कंक्रीट, सीमेंट के खतरनाक कण हवा में घुलते हैं; और चौथा: डीजलचालित ट्रक आदि जो सबसे खतरनाक धुआं बनाते हैं। एक विशेषज्ञा कह रही थीं कि डीजल सबसे ''डर्टी फ्यूल' (घटिया ईधन) है। दुनिया में यह कहीं उतना नहीं चलता, जितना अपने यहां। इसे बंद करो। मीडिया दिल्ली को गैस चेंबर घोषित कर चुका है। प्रदूषण की एमरजेंसी लगा चुका है। स्कूल बंद हो चुके हैं, और कुछ चैनलों द्वारा बेकसूर सीएम केजरीवाल को इसके लिए ''कसूरवार' भी ठहराया जा चुका है। हम तो विशेषज्ञों पर कुर्बान हैं, जिनके लिए प्रदूषण समस्या कम और अपने एनजीओ की मार्केटिंग का अवसर अधिक है। कई विशेषज्ञ तो चैनलों में आकर मास्क तक बेचने लगे हैं कि इनको लगाके निकलो नहीं तो बीमार हो जाओगे। चैनल तुरंत मास्क लगाए लोगों को दिखाने लगते हैं। तरह-तरह के मास्क मार्केट में आ चुके हैं। तीन तरह के ''एअर प्यूरी फायर' मार्केट में आ चुके हैं, जो शुद्ध हवा की गारंटी देते हैं। एक को करीना कपूर बेचती हैं, दूसरे ब्रांड प्रिंट में बेचे जा रहे हैं। प्रदूषण समस्या है। उसका भयावह वर्णन है लेकिन उसका समाधान है कि बाहर मास्क लगा कर निकलें और घर के अंदर एअरप्यूरीफायर लगाएं। जो नहीं खरीद सकते, दिल्ली छोड़ सकते हैं। यह संकेत भी है। हमारे स्वास्य की चिंता में स्वस्थ होते जा रहे विचारक यह नहीं बताते कि किसान पराली का क्या करें? पिछले सीजन में मीडिया ने बतवाया था कि पश्चिम में मशीनें पराली को ठीक करती हैं, उनको ले आओ और जलाने से बचो, लेकिन कितने किसान मशीन खरीद सकते हैं, यह कोई नहीं बताता।और इस बार अपना मीडिया दिल्ली में दौड़ती बेशुमार कारों के प्रदूषण के बारे में अपेक्षाकृत खामोश क्यों है? कारण यह है कि कार उद्योग मीडिया को ढेर सारे विज्ञापन दिलाता है। अगर कारों के खिलाफ बोले तो विज्ञापन नहीं मिलेंगे? इसलिए वह कारों को बेचने में लगा रहता है, खिलाफ बोलने से बचता रहता है। जिस दिल्ली में हर साल लाखों नई कारें सड़कों पर आ जाती हैं, और जिनका धुआं दिल्ली को पूरे बरस पाटता रहता है, उन कारों को कैसे रोका जाए? यह कोई नहीं बताता। सिर्फ''ऑड-ईवन' की मांग की जाती है। पिछले बरस के ''ऑड-ईवन' से कोई फर्क नहीं पड़ा था, लेकिन इससे क्या? हां, कारों को कुछ नहीं कहना है वरना विज्ञापन से हाथ धो बैठोगे। कुल मिलाकर मीडिया द्वारा की जाती प्रदूषण-चिंता ''मिडिल क्लासी' चिंता है। वही मास्क खरीद सकती है, जिसे नये फैशन स्टेटमेंट की तरह पहन सकती है। वही एअरप्यूरीफायर भी खरीद सकती है। दिल्ली का गरीब कहां जाकर सांस ले? वह जाए भाड़ में। इस बार मीडिया ने जिस तरह से उसे ''बनाकर' बेचा है, उससे दो तरह की ''जनता' बनती है। एक जो प्रदूषण से बचने की ताकत रखती है। दूसरी जो सिर्फ मर सकती है। यह कैसी चिंता है मित्र ?सालाना मिलने वाला यात्रा पास निर्गत करने को लेकर भी उदार रुख अख्तियार करना चाहिए। देखना है आरबीआई के ताजा निर्देश कि ''शब्द और भावना' तक नियम का क्रियान्वयन होना चाहिए, कितनी गंभीरता से बैंक कर्मी अंजाम तक पहुंचाते हैं।

सत्संग

उड़ान

समुद्रतट पर बसे नगर में एक धनवान वैश्य रहता था। उसके पुत्रों ने एक कौआ पाल रखा था। वे उसे अपना जूठन खिलाते रहते और कौआ भी मस्त रहता। एक बार कुछ हंस आकर वहां उतरे। वैश्य के पुत्र हंसों की प्रशंसा कर रहे थे, जो कौए से सही नहीं गई। वह उन हंसों के पास पहुंचा और उनमें से एक हंस से बोला - 'लोग नाहक ही तुम्हारी तारीफ करते हैं। तुम मुझे उड़ान में हराओ तो जानूं! हंस ने उसे समझाया - 'भैया, हम दूर-दूर उड़ने वाले हैं। हमारा निवास मानसरोवर यहां से बहुत दूर है। हमारे साथ प्रतियोगिता करने से तुम्हें क्या लाभ होगा? कौए ने अभिमान के साथ कहा - 'मैं उड़ने की सौ गतियां जानता हूं। मुझे पता है कि तुम हारने के डर हमारे साथ नहीं उड़ रहे हो। तब तक कुछ और पक्षी भी वहां आ गए। वे भी कौए की हां में हां मिलाने लगे। आखिर वह हंस कौए के साथ प्रतियोगिता के लिए राजी हो गया। इसके बाद हंस और कौआ समुद्र की ओर उड़ चले। समुद्र के ऊपर वह कौआ नाना प्रकार की कलाबाजियां दिखाते हुए पूरी शक्ति से उड़ा और हंस से कुछ आगे निकल गया। हंस अपनी स्वाभाविक मंद गति से उड़ रहा था। यह देख दूसरे कौए प्रसन्ता प्रकट करने लगे। पर थोड़ी ही देर में कौआ थकने लगा। वह विश्राम के लिए इधर-उधर वृक्षयुक्त द्वीपों की खोज करने लगा, परंतु उसे अनंत जलराशि के अतिरिक्त कुछ नहीं दिख रहा था। तब तक हंस उड़ते-उड़ते कौए के समीप आ चुका था। कौए की गति मंद पड़ चुकी थी। वह बेहद थका हुआ और समुद्र में गिरने की दशा में पहुंच गया था। हंस ने देखा कि कौआ बार-बार समुद्र जल के करीब पहुंच रहा है, लिहाजा उसने पास आकर पूछा - 'काक! तुम्हारी चोंच और पंख बार-बार पानी में डूब रहे हैं। यह तुम्हारी कौन-सी गति है? हंस की व्यंग्यभरी बात सुनकर कौआ दीनता से बोला - 'यह मेरी मूर्खता थी, जो मैंने तुमसे होड़ करने की ठानी। कृपा कर मेरे प्राण बचा लो। हंस को कौए पर दया आ गई और उसने अपने पंजों से उसे उठाकर अपनी पीठ पर रखा और लौटकर वापस उसे उसके मूल स्थान पर छोड़ दिया। कथा का सार यह है कि कभी किसी को अपनी शक्तियों पर मिथ्या अभिमान नहीं करना चाहिए।

''ये हमारा देश है',

इस शाही भोज के स्वाद तक इससे पहले कभी कोई अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं पहुंचा था।तब नाराज राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा था कि दोनों राष्ट्रों के मूल्यों में बहुत अंतर है। और अब रोमांचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प चीन की प्रशंसा में कसीदे पढ़ रहे हैं। यहां तक कि कुछ दिन पहले खुद चीन पर अमेरिकी अर्थव्यवस्था के साथ बलात्कार करने का आरोप लगाने वाले ट्रम्प अब शी जिनपिंग को सैल्यूट कर रहे हैं। साल भर के भीतर अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए चीन का यह बदला रूप और अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए चीन के प्रति उपजा प्रेम, दोनों राष्ट्रों के बीच संबंधों की नई कहानी बयां करते हैं। लेकिन यह कहानी उतनी सपाट भी नहीं है जिसका सीधा मतलब निकाल लिया जाए।

सतीश पेडणोकर

चीन और अमेरिका साझा सैनिक अभ्यास करें या व्यापारिक समझौतों से जुड़ें, यह उपलब्धि अमेरिका के लिए कम और चीन के लिए ज्यादा है। चाहे दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियां रही हों या भारत के संदर्भ में चीन की विस्तारवादी सोच, इससे चीन के हौसले बुलंद होंगे। अमेरिका अब तक चीन को काबू में करने की नीति पर चलता रहा है। लेकिन अब ट्रम्प ने इस नीति को उलट दिया है। अब अमेरिका खुद चीन के काबू में होता दिख रहा है। चीन है और वही अमेरिका। तब भी मेजबान चीन और मेहमान अमेरिका था। अब भी मेजबान चीन है और मेहमान अमेरिका। लेकिन नजारा बिल्कुल बदला हुआ है। तब सितम्बर 2016 में अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने चीन का दौरा किया था, तो न सम्मान था, न विमान से उतरने के लिए उपयुक्त सीढ़ियां। अब नवम्बर 2017 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प चीन यात्रा पर पहुंचे तो उनके लिए रेड कारपेट थी और विमान से उतरने के लिए स्वचालित सीढ़ियां। तब ओबामा के साथ आए अधिकारियों और पत्रकारों के साथ एयरपोर्ट पर चीनी अधिकारियों ने घिनौना बर्ताव किया था, तो डोनाल्ड ट्रम्प की आवभगत में चीन ने पलक-पांवड़े बिछा दिए। तब चीनी अधिकारियों ने ओबामा के अधिकारियों से ''ये हमारा देश है', जैसी कड़वी भाषा बोलकर ललकारा था, तो ट्रम्प के लिए शाही भोज का इंतजाम किया गया था। इस शाही भोज के स्वाद तक इससे पहले कभी कोई अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं पहुंचा था।तब नाराज राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा था कि दोनों राष्ट्रों के मूल्यों में बहुत अंतर है। और अब रोमांचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प चीन की प्रशंसा में कसीदे पढ़ रहे हैं। यहां तक कि कुछ दिन पहले खुद चीन पर अमेरिकी अर्थव्यवस्था के साथ बलात्कार करने का आरोप लगाने वाले ट्रम्प अब शी जिनपिंग को सैल्यूट कर रहे हैं। साल भर के भीतर अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए चीन का यह बदला रूप और अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए चीन के प्रति उपजा प्रेम, दोनों राष्ट्रों के बीच संबंधों की नई कहानी बयां करते हैं। लेकिन यह कहानी उतनी सपाट भी नहीं है जिसका सीधा मतलब निकाल लिया जाए।

सवाल ओबामा की व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का नहीं था। अमेरिकी प्रशासन का नजरिया इस सोच से ऊपर होता है। उसके लिए सवाल अमेरिका की प्रतिष्ठा का था। ओबामा को उचित सम्मान नहीं मिलना अगर अमेरिका के लिए चिंता का विषय थी, तो उससे कहीं ज्यादा चिंता का विषय अब चीन में ट्रम्प का अभूतपूर्व स्वागत है क्योंकि ऐसा अकारण या संयोगवश कतई नहीं है।चीन के साथ व्यापार में असंतुलन और बेकाबू उ.कोरिया को काबू में करने की चिंता के साथ ट्रम्प बीजिंग पहुंचे थे। अपने इस दौरे में उन्हें अपनी चिंताओं के समाधान की उम्मीद थी,बावजूद इसके कि इन दोनों मामलों पर वह चीन के खिलाफ जहरीली बयानबाजी करते रहे हैं। लेकिन बदले हालात में चीन ने उन्हें अतिथि से याचक के रूप में बदल दिया। जो ट्रम्प चीन को लगातार धमका रहे थे, वही ट्रम्प चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अति विशिष्ट व्यक्ति का तमगा देते नजर आए। और जब दुनिया की सारी महाशक्तियां ट्रम्प-जिनपिंग मुलाकात को लेकर पसोपेश में थी, तो दोनों दिग्गज बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपुल में 250 बिलियन डॉलर से ज्यादा के समझौतों पर दस्तखत कर रहे थे। इस हकीकत से कौन वाकिफ नहीं है कि उ.कोरिया को चीन और रूस की मदद मिलती रही है। यहां तक कि उसे आणविक शक्ति बनाने में भी चीन ने पाकिस्तान को मोहरे की तरह इस्तेमाल किया। इसके अलावा उ.कोरिया का सबसे बड़ा व्यापारिक रिश्ता भी चीन के साथ है, जो लगातार मजबूत होता जा रहा है। सन 2000 से 2015 के बीच दोनों देशों का व्यापार दस गुना बढ़कर 6.86 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था। इसके बावजूद डोनाल्ड ट्रम्प ने उ.कोरिया को परमाणु शक्ति से विहीन करने और व्यापारिक संबंध बिल्कुल खत्म करने की दुनिया से जो अपील की है, वह कम से कम चीन के संदर्भ में तो याचक जैसा और अति आशावाद के सपने जैसा ही लगता है। उ.कोरिया के मुद्दे पर साथ देने की प्रतिबद्धता के बावजूद चीन ने द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को एक तरफा खत्म करने से इनकार करके ट्रम्प की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। चीन ने कहा है कि उ.कोरिया को नियंत्रित करने में वह दुनिया के साथ है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ के फैसलों के आधार पर। चीन में ट्रम्प का जोरदार स्वागत अमेरिका के लोगों के भी गले नहीं उतर रहा है। अपने एशिया दौरे से उ.कोरिया मसले पर कुछ ठोस लेकर ट्रम्प लौट रहे हैं, ऐसा नहीं लगता। चीन के साथ व्यापार संतुलन अमेरिका के पक्ष में होगा इसकी भी उम्मीद नहीं के बराबर है। जिनपिंग चीन में अब तक के सबसे ताकतवर नेता हैं और अपने देश के व्यापारिक हितों से समझौता करने की उनके सामने कोई मजबूरी भी नहीं है। बल्कि चीन की कोशिश होगी कि वह अमेरिका को झुका कर दुनिया के बाकी देशों के साथ अपने संबंधों को अनुकूल बना सके। ऐसे देशों में भारत भी एक है।भारत और अमेरिका के साथ चीन का व्यवहार एक जैसा ही है। शी जिनपिंग एक तरफभारतीय प्रधानमंत्री के साथ साबरमती के तट पर झूला झूलते हैं, तो दूसरी तरफ उनकी सेना भारतीय सीमा में घुसपैठ करती है। यानी मुंह में राम और बगल में छुरी। अब अमेरिका के साथ भी उसका बर्ताव आश्चर्यजनक है। लेकिन इससे चीन की बढ़ती ताकत का अंदाजा होता है। चीन आर्थिक महाशक्ति बनने के प्रयासों में जुटा है और टकराव से ज्यादा झुकाने की नीति पर अमल करता दिख रहा है।अमेरिका में ट्रम्प ताकतवर होने के बावजूद विश्वसनीय नहीं रहे हैं। उन पर रूस की मदद से चुनाव जीतने के आरोप हैं। अब चीन में गैरमामूली सम्मान उनकी विश्वसनीयता को और सख्त कसौटी पर कसेगा। यानी मुश्किलें खुद ट्रम्प की बढ़ने वाली हैं। इसलिए ऐसा कोई आधार नहीं है कि चीन अमेरिका पर भरोसा करे। अब सवाल यह है कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति उ.कोरिया को अलग-थलग करने के लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं? क्या उ.कोरिया से दूरी बनाने के कारण चीन को होने वाले नुकसान की भरपाई अमेरिका करेगा? चीन ऐसा मौका झटक लेने की कोशिश में है। ऐसे में, आने वाले दिनों में दोनों देशों के बीच उ.कोरिया को लेकर एक दूसरे को दबाव में लेने वाले बयान सुनने को मिल सकते हैं। एक समय था जब दुनिया से पूछे बिना ही अमेरिका ने इराक के खिलाफयुद्ध छेड़ दिया था और बाद में संयुक्त राष्ट्र का समर्थन हासिल किया था। युद्ध का बहाना भी झूठा साबित हुआ था। इराक में रासायनिक हथियार नहीं मिले। मगर आज जबकि उ.कोरिया खुलेआम परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहा है, अमेरिका को घर में घुसकर मारने की धमकी दे रहा है, ट्रम्प के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहा है, तो अमेरिका उसका जवाब देने की स्थिति में नहीं है। इसके लिए वह चीन का मुंह देख रहा है। और चीन भी इसकी कीमत वसूलने में जुटा दिखता है। चीन और अमेरिका साझा सैनिक अभ्यास करें या व्यापारिक समझौतों से जुड़ें, यह उपलब्धि अमेरिका के लिए कम और चीन के लिए ज्यादा है। चाहे दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियां रही हों या भारत के संदर्भ में चीन की विस्तारवादी सोच, इससे चीन के हौसले बुलंद होंगे। अमेरिका अब तक चीन को काबू में करने की नीति पर चलता रहा है। लेकिन अब ट्रम्प ने इस नीति को उलट दिया है। अब अमेरिका खुद चीन के काबू में होता दिख रहा है। और ये स्थिति भारत जैसे देश के लिए भी चिंताजनक है।

चलते चलते

'गन कल्चर

इस महाशक्ति देश के 'गन कल्चर को फिर से कठघरे में ला खड़ा किया है। लेकिन हैरानी है कि पहले के कई मौकों की तरह इस बार भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोशिश हिंसा के इस पहलू से ध्यान हटाने की है। जापान यात्रा पर गए ट्रंप ने कहा कि ये वारदात बंदूक की स्थिति का परिणाम नहीं है। स्पष्टत: ट्रंप का इशारा एक ग्रामीण चर्च में गोलीबारी करने वाले डेविड केली की दिमागी हालत की तरफ था।

अमेरिका के टेक्सास प्रांत में हुई गोलीबारी की घटना ने इस महाशक्ति देश के 'गन कल्चर को फिर से कठघरे में ला खड़ा किया है। लेकिन हैरानी है कि पहले के कई मौकों की तरह इस बार भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोशिश हिंसा के इस पहलू से ध्यान हटाने की है। जापान यात्रा पर गए ट्रंप ने कहा कि ये वारदात बंदूक की स्थिति का परिणाम नहीं है। बल्कि इसके पीछे वजह मानसिक स्वास्थ्य की समस्या है। स्पष्टत: ट्रंप का इशारा एक ग्रामीण चर्च में गोलीबारी करने वाले डेविड केली की दिमागी हालत की तरफ था। केली को कोर्ट मार्शल के बाद अमेरिकी वायुसेना से बर्खास्त किया गया था। केली पर ये कार्रवाई अपनी पत्नी और बच्ची से मारपीट करने के आरोप में हुई थी। इस शख्स ने सदरलैंड स्प्रिंग्स नामक जगह पर स्थित चर्च में गोलियों की बौछार कर दो दर्जन से अधिक लोगों को मार डाला, जबकि बहुत-से दूसरे लोग गोली लगने या भगदड़ के कारण जख्मी हो गए। बीते अक्टूबर के आरंभ में एक ऐसी ही घटना लास वेगास में हुई थी, जहां पर एक व्यक्ति ने एक संगीत समारोह के दौरान अंधाधुंध गोलीबारी कर 58 लोगों की जान ले ली। उस वारदात में लगभग साढ़े पांच सौ लोग घायल हुए थे। इसके पहले सितंबर में टेनेसी स्थित चर्च के पार्किंग स्थल पर गोलीबारी हुई थी, जिसमें एक महिला मारी गई और छह लोग घायल हो गए थे। सामान्य बुद्धि से समझा जा सकता है कि ऐसी घटनाएं इसीलिए हो रही हैं। पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने अमेरिका को महफूज बनाने का वादा किया था। केली को कोर्ट मार्शल के बाद अमेरिकी वायुसेना से बर्खास्त किया गया था। केली पर ये कार्रवाई अपनी पत्नी और बच्ची से मारपीट करने के आरोप में हुई थी। बीते अक्टूबर के आरंभ में एक ऐसी ही घटना लास वेगास में हुई थी, लेकिन हकीकत यह है कि वहां लोग खुद को पहले से ज्यादा असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। पिछले हफ्ते ही एक व्यक्ति ने न्यूयॉर्क में आठ लोगों को अपने वाहन कुचल दिया। साफ है, अमेरिका लगातार आंतरिक अथवा बाहरी स्रोतों से संचालित हिंसा का निशाना बन रहा है। इससे दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति की कमजोरियां उभरकर सबके सामने आ रही हैं।

मुद्दा

''बैंक की शाखायें क्यों

बैंकों का आपस में विलय कर चार-पांच बैंक बना देने से बैंकों की शाखाएं स्थापित करने और संचालन व्यय पर नियंतण्रखने में सुविधा होगी। जमीनें महंगी हो गई हैं, और वेतन लगातार बढ़ रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि अब बैंकों में कागज पर लिखा-पढ़ी का काम बहुत कम हो गया है। कंप्यूटरों ने अधिकांश काम संभाल लिया है। इंटरनेट के प्रयोग से काम में तेजी आई है। भारत में बैंकों की संख्या 43 है। इनमें 21 सरकारी हैं, और 22 प्राइवेट कंपनियों के। कुछ विदेशी बैंकों की शाखाएं भी हैं, पर उनकी संख्या नगण्य है। इनके अलावा, सहकारी बैंकों की एक पूरी श्रृंखला है। जाहिर है, इनका कार्य क्षेत्र सीमित होता है, कुछ राज्य स्तर पर काम करते हैं, कुछ जिला स्तर पर। यहां हम वाणिज्यिक बैंकों पर विचार करेंगे क्योंकि यह वह क्षेत्र है जहां कुछ किया जा सकता है। ज्यादातर सहकारी बैंक माफिया के हाथ में हैं। वही लोग बार-बार चुन कर आते हैं, और तरह-तरह के घोटाले करते हैं। वाणिज्यिक बैंकों में एक दूसरी तरह का माफिया राज है। ये कुछ लोगों को भारी-भारी कर्ज देते हैं, जिनमें बहत सारा रु पया नाले में बह जाता है। यही एनपीए (नॉन-परफार्मिंग असेट्स) हैं, यानी ऐसी संपत्तियां जिनसे बैंक को कुछ मिल नहीं रहा है। एक अनुमान के अनुसार, सरकारी बैंकों का एनपीए इस समय आठ लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। यह प्रति साल बढ़ता जा रहा है। इतना ज्यादा रुपया फंस जाने के कारण सरकारी बैंकों की आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। इसे सुधारने के लिए केंद्र सरकार ने बैंकों की पूंजी बढ़ाने का फैसला किया है। सरकारी बजट से 18,000 करोड़ रुपये का आवंटन इन बैंकों के शेयर खरीदने के लिए किया जाएगा। सरकार ''बैंक रिकैपिटलाइजेशन बांड्स' (जिसका अर्थ क्या है, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है) के जरिए एक लाख 35 हजार करोड़ रुपये बैंकों को प्रदान करेगी। इसके बाद बैंकों से कहा जाएगा कि वे बाजार से 58,000 करोड़ रुपये उगाहें। मैं नहीं समझता कि भारत के उद्योग-व्यापार में तेजी से वृद्धि इसलिए नहीं हो रही है कि पूंजी की कमी है। पूंजी आकाश से नहीं टपकती। वह औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियों की सफलता से पैदा होती है। जब लोगों के पास पैसा पहुंचता है, तब बाजार में वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ती है। इससे उद्योग-धंधों में शक्ति का संचार होता है। पूंजी में वृद्धि होती है। पूंजी बढ़ने से उत्पादन बढ़ता है, और उत्पादन के फल का न्यायपूर्ण वितरण हो तो जनता में खुशहाली आती है। ''स्माल इज ब्यूटीफुल' के महत्त्व से मैं अवगत हूं। इसका समर्थक भी हूं। बड़े-बड़े औद्योगिक और वाणिज्यिक निकायों को संभालना निश्चय ही मुश्किल होता है। सभी सरकारी बैंकों जिस जिले में किसी एक बैंक से काम चल सकता है, वहां चार-चार, पांच-पांच बैंकों की शाखाएं होती हैं। किसी भी शाखा की व्यावहारिकता इसी में है कि वह कम से कम अपनी लागत तो निकाल ले। इसलिए बेहतर होगा कि 21 सरकारी बैंकों का आपस में विलय कर कुल चार या पांच बैंक बना दिए जाएं। सभी को मिला कर एक बैंक बना देना किसी भी दृष्टि से ठीक नहीं होगा। किसी भी क्षेत्र में मोनोपली नहीं होनी चाहिए। मोनोपली निरंकुश सत्ता को जन्म देती है, जो किसी भी अवस्था में काम्य नहीं है।बैंकों का आपस में विलय कर चार-पांच बैंक बना देने से बैंकों की शाखाएं स्थापित करने और संचालन व्यय पर नियंतण्र रखने में सुविधा होगी। जमीनें महंगी हो गई हैं, और वेतन लगातार बढ़ रहे हैं। कंप्यूटरों ने अधिकांश काम संभाल लिया है। इंटरनेट के प्रयोग से काम में तेजी आई है। इसलिए आज पहले से बहुत कम स्टाफ की जरूरत है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बैंक कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छंटनी कर दी जाए। वास्तव में छंटनी कोई समाधान नहीं है। कोई आदमी ऐसा नहीं होता जिससे कोई काम न कराया जा सकता हो। देश का एक बड़ा इलाका ऐसा है, जहां किसी भी बैंक की कोई शाखा नहीं है। इन क्षेत्रों में नई शाखाएं खोली जा सकती हैं।

''नुकसान या क्षति'

आभा स्वामी

यह महज संयोग है कि धुआंसी दिल्ली के बीच संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में जलवायु परिवर्तन पर सालाना सम्मेलन होने जा रहा है। 23वीं कॉन्फ्रेंस ऑफपार्टी (कॉप-23) इस बार जर्मनी के बॉन में जुटेगी। जर्मनी यह दायित्व फिजी की तरफ से वहन कर रहा है, जो सम्मेलन का औपचारिक मेजबान देश है। इसमें पेरिस समझौते-2015 पर विस्तार से चर्चा की जाएगी, जिसके तहत दुनिया के 100 देश नियंतण्र तापमान को 2 डिग्री सेल्सियस से कम रखने की दीर्घावधि योजना पर एकमत हुए थे। पेरिस समझौते में यह बात भी थी कि अंगीकरण पर एक नियंतण्र लक्ष्य को विकसित किया जाएगा और ''नुकसान या क्षति' की भरपाई के मसले को इस ''अंगीकरण' से पृथक रखा जाएगा। कॉप-23 पर इस समझौते के क्रियान्वयन की नियमावली बनाने, 2018 में होने वाले विमर्श को सफल बनाने और इन सबके साथ 2023 की दुनिया के हालात के मुताबिक एजेंडा तय करने की जवाबदेही है। इतने बड़े मकसद को पूरा करने के लिए अमेरिका का सहमत होना जरूरी है पर वह तो पेरिस समझौते से बाहर आने का औपचारिक ऐलान कर रखा है। हालांकि इसके वास्तविक अर्थ में लागू होने में अभी दो साल का वक्त है। सो उसका प्रतिनिधिमंडल भी कॉप-23 में भाग लेने आएगा। अब सब यही देखने को उत्सुक हैं कि उसके प्रतिनिधि जलवायु-चर्चाओं में क्या रुख रखते हैं। दूसरे, फिजी के प्रधानमंत्री ने ''नुकसान या क्षति' मसले को लेकर अपना अलख जगाए हुए हैं, जो मानव द्वारा पैदा किये गए जलवायु परिवर्तन के आसानी से कारण हो सकते हैं। इस साल भारत, बांग्लादेश समेत दक्षिण एशिया में आई विध्वंसकारी बाढ़ को मनुष्य की गलतियों से होने वाली आपदा की कोटि में रखा गया है। दरअसल, यह श्रेणी चार और पांच में उल्लिखित तूफान हैं, जिन्होंने इस साल टेक्सास, फ्लोरिडा और प्यूरेटो रिको में भयावह तबाही मचायी हैं।

समुद्री तूफान आते रहते हैं, लेकिन इन तूफानों के दौरान अटलांटिक और कैरिबियन सागर के जलस्तरों में अभूतपूर्व असामान्य बदलाव देखा गया। इसके चलते तूफान भीषण और ज्यादा विनाशकारक हो गया। इससे 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ। अमेरिकी कांग्रेस इस नुकसान की भरपाई में लगी है। अमेरिका की तरह ही दुनिया के कुछेक देशों में इन तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भरपाई की व्यवस्था है पर यह नियंतण्र स्तर पर ऐसी कोई पण्राली अभी विकसित नहीं हो पाई है। पोलैंड में 2013 में हुए कॉप-19 में ''नुकसान या क्षति' की पूर्ति पर सभी देशवारसा इंटरनेशनल मैकनिज्म (वीम) के तहत एक व्यवस्था बनाने पर सहमत हुए थे। इसके अंतर्गत ही एक कार्यकारी कमेटी बनाई गई थी।

अब इसने मसले पर पंचवर्षीय कार्ययोजना तैयार की है, जिस पर बॉन में विचार किया जाना है। हालांकि इस कार्ययोजना में ''नुकसान या क्षति' की भरपाई के लिए कोष जुटाने पर कोई विचार नहीं है। लिहाजा, बॉन में फिजी व छोटे द्विपीय देशों के संगठन, कम विकसित देशों तथा अफ्रीका समूह के नेतृत्व में जलवायु परिवर्तन की विभीषिका से बचाव के लिए कोष गठन पर विचार के लिए जोर दिया जाएगा। जाहिर है कि विकसित देश विरोध करेंगे।

भाजपा ने पहली बार जारी किया संकल्प पत्र, प्रत्येक घर को दिया जाएगा नि:शुल्क टैप वाटर कनेक्शन

लखनऊ. यूपी निकाय चुनाव के लिए बीजेपी ने रविवार को अपना संकल्प पत्र जारी किया है। निकाय चुनावों के लिए भाजपा का संकल्प पत्र यूपी बीजेपी मुख्यालय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और डॉ. दिनेश शर्मा समेत नगर विकास मंत्री सुरेश खन्ना की उपस्थित में जारी किया गया। आपको बता दें कि बीजेपी ने निकाय चुनावों के लिए पहली बार घोषणा पत्र जारी किया गया है। इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्रनाथ पांडेय ने कहा- ''विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी संकल्प पत्र के साथ उतरी थी और प्रचंड बहुमत की सरकार बनी थी। अब हम निकाय चुनाव में भी संकल्प पत्र के साथ उतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम नगरीय जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे।''

प्रमुख बाजारों में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट, सार्वजनिक स्थलों पर नि:शुल्क शौचालय, गोवंश के लिए गौशाला, नगर निगमों में आईटी व्यवस्था के माध्यम से टैक्स कलेक्शन, बेहतर इंतज़ाम, श्रमिकों, युवाओं और पटरी व्यवसायियों के लिए इंतज़ाम शामिल हैं। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने कहा कि सुंदर-स्वच्छ व्यवस्थित महानगर व नगर भाजपा का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आज विश्वपटल पर अपना परचम फहरा रहा है।

योगी ने क्या कहा-

योगी आदित्यनाथ ने कहा- ''नगर निकाय चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से हो उसके लिए पार्टी ने एक संकल्प पत्र जारी किया है। सरकार इसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा करेगी।''

नगर निकाय चुनाव में पहली बार इतनी संख्या में चुनाव हो रहे है। 16 नगर निगमो में चुनाव होने जा रहा है जिसमें पहली बार अयोध्या में जिला मुख्यालयों को 24 घंटे तहसील स्तर को 20 घंटे की आपूर्ति दी जा रही है।

विद्युत बचत के साथ नगरीय क्षेत्र के साथ देहात इलाकों में मुफ्त में बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं। 20 लाख मुफ्त कनेक्शन दिए गए हैं।

योगी ने कहा- ''20 लाख से ज्यादा कनेक्शन देने का काम भी इन सात महीनों में किया गया है। इससे विद्युत की चोरी रुकी है। सरकार ने फैसला लिया है की जितनी भी स्ट्रीट लाइट हैं वो सभी एलईडी होगी। इसकी शुरुआत वाराणसी, कानपुर और गोरखपुर में की गई है।

प्रॉपर्टी विवाद में सगे भाई के सिर में मारी 4 गोली, मौत

गोरखपुर. यूपी के गोरखपुर में शनिवर को जमीनी विवाद में प्रॉपर्टी डीलर ने गोली मारकर अपने भाई की हत्या कर दी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद आरोपी भाई मौके से फरार हो गया है। बताया जा रहा है कि जमीन के बंटवारे के पैसों के लेन-देन को लेकर दोनों भाईयों में विवाद हुआ था।

जिस पर छोटे भाई ने शनिवार को रिवाल्वर से बड़े भाई को गोली मार दी। जिससे मौके पर ही बड़े भाई की मौत हुई है। मामला खजनी थाना के बरवल माफी गांव का है। जहां दो भाईयों अजय और सुनील में जमीन की रंजिश में विवाद हुआ था।

- जिस पर सुनील सिंह ने अपने बड़े भाई अजय को गोली मार दी। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची खजनी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

16 नवंबर को अयोध्या जाएंगे श्रीश्री रविशंकर, हिन्दू और मुस्लिम पक्षकारों से करेंगे मुलाकात

लखनऊ. अयोध्या विवाद में मध्यस्थ की भूमिका निभाने के लिए आगे आये अध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर 16 नवम्बर को अयोध्या पहुंच रहे हैं। अयोध्या में वह हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही पक्षकारों से मुलाकात करेंगे। बीते 11 नवम्बर को निमीही अखाड़ा के दिनेंद्र दास ने बंगलौर में एक कार्यक्रम में श्रीश्री रविशंकर से मुलाकात कर उन्हें मध्यस्थता के लिए अयोध्या बुलाया है। निमीही अखाड़े के कहने पर अयोध्या आने को तैयार हुए रविशंकर

-इस मुलाकात के बाद ही वह अयोध्या मामले में मध्यस्थता निभाने और अयोध्या आने को तैयार हुए हैं। उन्होंने बताया- ''हमारी बात हुई है वह 15 नवम्बर को लखनऊ में कुछ पक्षों से बात करेंगे फिर 16 नवम्बर को अयोध्या में हिन्दू और मुस्लिम पक्षकारों से मिलकर बात कर बीच का रास्ता निकालेंगे।''उन्होंने बताया कि श्रीश्री रविशंकर के साथ होने वाली बैठक में मुस्लिम पक्षकारों को भी बुलाया जाएगा।

क्या कहते हैं मुस्लिम पक्षकार

हाजी महबूब ने कहा उनकी बात या सलाह कितनी प्रभावी है वह उनका रुझान देख कर पता चलेगा। अगर हमारी बात होती है तो आगे की रणनीति उसी के बाद तय होगी। हालांकि उन्होंने अभी रविशंकर के अयोध्या आने की बात की जानकारी से इनकार किया है।

वहीं, मुस्लिम पक्षकार हाशिम अंसारी के बेटे इकबाल अंसारी ने भी रविशंकर के अयोध्या आगमन की जानकारी से इनकार किया है, लेकिन इकबाल ने से बातचीत में कहा कि अगर रविशंकर आते हैं तो बात करने में कोई बुराई नहीं है। उन्होंने कहा हमने तो विवाद सुलझाने के उद्देश्य से ही रविवार को अयोध्या आये शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष वसीम रिजवी से मुलाकात भी की है।

लेकिन उनकी बात ही हमें नागवार गुजरी। वसीम रिजवी ने कहा कि मस्जिद शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड की है। हम उस जमीन को मंदिर बनाने को दे रहे हैं। अगर आपको मस्जिद बनानी है तो हम आपको अयोध्या के बाहर जमीन दे देंगे। उनकी बात से वहां मौजूद हिन्दू पक्ष भी नाराज हुए। उन्होंने कहा हमें इनकी जरूरत है।

अखाड़ा परिषद् ने कहा रविशंकर चलाते हैं एनजीओ

वहीं, रविवार को अखाड़ा परिषद् के अध्यक्ष महंत नरेन्द्र गिरी भी अयोध्या पहुंचे थे।

सपा अब भगवान कृष्ण के सहारे वोट बैंक साधने का प्लान कर रही: स्वास्थ्य मंत्री

इलाहाबाद. यहां शनिवार को प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह एक कार्यक्रम में शिरकत करने इलाहाबाद पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कही कि आखिर विपक्ष को भगवा से दिक्कत क्या है। सूरज भी भगवा रंग का होता है और सर्दी में राहत देने वाली आग भी इसी रंग की होती है। विरोध करने और सवाल उठाने वाले क्या सूरज और आग का बायकाट कर सकेंगे। विपक्ष दीवालिया हो चुका है इसलिए ऐसी बातें कर रहा है। शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह भाजपा प्रत्याशियों के चुनाव कार्यालय का उदघाटन करने पहुंचे थे। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''नेताओं का पैमाना था जितना ज्यादा पहनेंगे उतना बड़ा नेता होगा। लेकिन मेरा कहना है कि जो विकास करेगा उतना ही बड़ा नेता बनेगा। माला पहनें से कोई बड़ा नेता नहीं होता।''

''कार्यकर्ताओं के परिश्रम और मेहनत से पश्चिमी शहर का विधायक बना हूं। कार्यकर्ताओं ने मुझे जिताकर प्रदेश में स्वास्थ्य मंत्री बनाने में अहम भूमिका निभाया था। अब पश्चिमी शहर के सभी 21 वार्डों में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ कदम से कदम मिलाकर चलूंगा। वहीं, पद्मावती फिल्म पर कहा, ''संजय लीला भंसाली की विवादित फिल्म पद्मावती को यूपी सरकार पूरी सुरक्षा मुहैया कराएगी। किसी तरह की रुकावट नहीं पैदा होने देगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाने से इंकार के बाद सरकार सुरक्षा को लेकर कड़े कदम उठाएगी। कुछ लोग भावनाओं की वजह से फिल्म का विरोध कर रहे हैं, लेकिन सरकार भावनाओं नहीं संविधान के हिसाब से काम करती है।''

यहां के कैंडिडेट्स को सता रहा ये डर, हायर करने पड़ रहे बाउंसर्स

कानपुर। इन दिनों यूपी में निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हैं। एक ओर जहां टिकट न मिलने वाले नेताओं और उनके समर्थकों में नाराजगी है, तो वहीं दूसरी ओर टिकट पाने वाले प्रत्याशियों में नाराज पार्टी वर्करों का डर भी साफ दिखाई दे रहा है। जिसके चलते लगभग सभी पार्टियों के प्रत्याशियों ने अपनी सुरक्षा बढ़ा ली है और प्राइवेट बाउंसर्स भी हायर किए हैं।

बापने 'सनक' में बेटी को मारदी 5 गोली, मां ने 18 घंटे बाद किया ये खुलासा

लखनऊ। सिविल सर्विस की तैयारी कर छात्रा की मौत में नया मोड़ आ गया है। मां ने रविवार को पुलिस को एक तहरीर दी है, जिसमें उन्होंने छात्रा के पिता पर हत्या का शक जाहिर किया है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

लखनऊ के थाना क्षेत्र में रहने वाले राकेश गुप्ता की बेटी मार्टिना की शनिवार को संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी। उसके शरीर में 5 गोली मिली। पहले परिवार वालों ने बताया कि बेटी ने सुसाइड किया। लेकिन घटना के 18 घंटे बाद मां मालती ने पुलिस को तहरीर देकर पिता पर हत्या का शक जाहिर किया।

तहरीर में बताया गया है, बेटी मार्टिना कई दिनों से डिप्रेशन में थी। उसका सिविल सर्विसेस में सिलेक्शन नहीं हुआ था, जिसके कारण वह कई दिनों से गुमसुम रह रही थी।

घटना के समय घर में कोई नहीं था, बेटी ऊपर अपने कमरे में थी। इसी बीच गोली चलने की आवाज आई, मेरा शरीर बहुत भारी है इसलिए चलने-फिरने में दिक्कत होती है। थोड़ी देर बाद देखा कि राकेश ऊपर से नीचे उतर रहे थे, उनके हाथ में पिस्टल थी। फिर धीरे-धीरे मैं ऊपर गई तो देखा बेटी खून से लतपथ बेड पर पड़ी थी।

मुझे संदेह है कि पिता से उसका झगड़ा हुआ होगा, जिसके बाद गुस्साए पिता ने सनक में बेटी की लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी।

ऑनर किलिंग की तरफ पुलिस का शक

दीपक कुमार ने बताया, हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी राकेश को अरेस्ट कर लिया गया है। अभी उससे पूछताछ की जा रही है कि आखिर ऐसी क्या स्थित आ गई थी कि बेटी की हत्या करनी पड़ी।

वहीं, पुलिस सूत्रों की मानें तो रकेश की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को शक है कि मामला ऑनर किलिंग का है। जांच में पता चला है कि परिवार में शादी की बात चल रही थी, लेकिन मार्टिना इससे नाराज थी।इसी बात को लेकर पिता और बेटी में कहा सुनी हुई, जिसके बाद गुस्साए पिता ने बेटी को गोली मार दी।

इसके अलावा पुलिस के सामने अभी भी एक सवाल खड़ा है कि सुबह साढ़े 8 बजे हुई हत्या के बाद पुलिस को साढ़े 6 घंटे बाद इन्फॉर्म किया गया। ऐसे में सवाल यह है कि आखिर साढ़े 6 घंटे मार्टिना की फैमिली ने क्या किया किसे कॉल किया क्या कमरे में मौजूद सबूतों से छेड़छाड़ हुई।

बिहार

विधायक ने नेशनल हाइवे की जमीन पर कब्जा कर बनवाई होटल की पार्किंग

भागलपुर.कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा की दबंगई सामने आई है। कारोबारी से विधायक बने शर्मा ने कचहरी चौक पर अपना होटल तैयार करवाया है। इसमें आने वाले वाहनों की लम्बी फेहरिस्त की पार्किंग की जगह तक नहीं छोड़ी। जल्द शुरू होने वाले इस होटल के लिए पार्किंग का संकट देख विधायक ने सरकारी जमीन पर ही कब्जा जमा लिया। उन्होंने अपने होटल के सामने से गुजर रहे नेशनल हाइवे की जमीन को ही पार्किंग में तब्दील कर दिया। इसे बनाने में भी विधायक ने बड़ी चतुराई दिखाई। उन्होंने होटल के आगे नहीं, बल्कि ठीक सामने कोर्ट परिसर की ओर से हाइवे की जमीन पर पेवर्स ब्लॉक बिछा दिए और कब्जा कर लिया।

एनएच और नगर निगम ने कहा-उनका विभाग नहीं बिछा रहा है पेवर्स ब्लॉक

विधायक के निर्माणाधीन होटल के सामने सड़क के दूसरी ओर पेवर्स ब्लॉक लगाकर फुटपाथ बनाने का काम पिछले कई दिनों से चल रहा है। केवल होटल के सामने ही पेवर्स ब्लॉक बिछाने को लेकर जब भास्कर ने पता किया कि इसे कौन बनवा रहा है तो इसका खुलासा हुआ। दरअसल यह सड़क एनएच की है। एनएच के अधीक्षण अभियंता लक्ष्मी नारायण सिंह से जब इस संबंध में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि उनके विभाग से यह काम नहीं हो रहा है। संभावना जताई गई कि नगर निगम से काम हो रहा होगा। इसके बाद नगर निगम के योजना शाखा प्रभारी आदित्य जायसवाल से भी बात की गई तो उन्होंने भी कहा कि पता नहीं कौन बनवा रहा है, लेकिन नगर निगम से नहीं बन रहा है।

शहरी विकास अभिकरण के कार्यपालक अभियंता मनोज कुमार ने भी अपने विभाग से काम होने से इनकार किया। निर्माण के दौरान कुछ लोगों ने बताया कि यह काम नगर विधायक करवा रहे हैं। लेकिन इसके साथ यह सवाल भी खड़े किए कि अपना व्यवसाय बढ़ाने व फैलाने के लिए सड़क पर भी कब्जा क्यों किया जा रहा है। वैसे ही पार्किंग के अभाव में शहर के विभिन्न चौक-चौराहे पर जाम की स्थिति बनी रहती है।

विधायक बोले - आप लोगों को कोई और काम नहीं है क्या

विधायक अजीत शर्मा से उनके होटल के सामने सड़क किनारे लगे पेवर्स ब्लॉक के बारे में भास्कर ने पूछा तो पहले उन्होंने कहा, जल्दी बोलिए समय नहीं है। मैं जरा व्यस्त हूं। फिर जैसे ही पेवर्स ब्लॉक के बारे में पूछा, भड़क उठे। पहले कहा, नहीं...और अगले ही पल गुस्से में आ गए।

नीतीश कुमार से हुई शिवानंद तिवारी की मुलाकात, दोनों में हुई लंबी बातें

पटना. सीएम नीतीश कुमार और राजद नेता शिवानंद तिवारी एक साथ नजर आए। इन दोनों की ये मुलाकात पटना के सबसे बड़े होटल में हुई। सीनियर पत्रकार की बेटी के रिसेप्शन में दोनों पहुंचे थे। ये मुलाकात पूरी तरह से गैर राजनीतिक थी, लेकिन इस मुलाकात को लेकर कई प्रकार की कयास भी लगाए जा रहे हैं। शनिवार को सीएम नीतीश कुमार और राजद नेता शिवानंद तिवारी आमने सामने हुए। इन दोनों की लंबे समय के बाद ये मुलाकात हुई। पटना के सबसे बड़े होटल में हुई ये मुलाकात बेहद औपचारिक थी। शिवानंद तिवारी का नीतीश कुमार से काफी पुराना रिश्ता रहा है।

खुले में शौच से हर साल 50 हजार रुपए प्रति परिवार बीमारियों पर हो रहा है खर्च

पटना.खुला मंच की छठी कड़ी में शनिवार को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री विनोद नारायण झा उपस्थित थे। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए दैनिक भास्कर के चयनित पाठकों के सवालों के जवाब दिए। मंत्री ने कहा कि पाठकों के सवाल से विभाग के लिए कार्ययोजना बनाने में मदद मिलेगी। पाठकों के सुझाव पर अमल किया जाएगा। मंत्री ने भास्कर के पाठकों का आभार भी जताया। जहां तक पूर्ण स्वच्छता की बात है तो इसको लेकर राज्य सरकार गंभीर है। कई स्तरों पर प्रयास चल रहा है। हर घर में शौचालय बने, इसके लिए जीविका की दीदियों की मदद ली जा रही है। सरकार शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार रुपए की मदद भी दे रही है। योजना का प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है, पर लोग आगे नहीं आ रहे हैं। जबकि बांग्लादेश और इथोपिया जैसे देश पूरी तरह खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) हो गए हैं। वहां सामाजिक कार्यकर्ताओं और एनजीओ ने अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया और पूरा देश ओडीएफ हो गया। बिहार में जागरूकता के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जीविका की दीदी लोगों को शौचालय निर्माण के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। पंचायतों में बाल समूह बनाया गया है। सुबह-शाम स्कूली छात्र-छात्राओं की टीम सीटी बजा कर बाहर में शौच जाने से लोगों को मना कर रही है। लेकिन जब तक लोग आगे नहीं आएंगे, तब तक बेहतर नतीजे नहीं मिलेंगे। एक दूसरी समस्या भी दिख रही है, कई लोगों ने शौचालय बनवा तो लिया, पर उपयोग नहीं करते हैं। सरकार का संकल्प है, 2020 तक हर घर नल का जल पहुंचाना। कोई भी घर इस योजना में छूटेगा नहीं। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) राज्य के गुणवत्ता प्रभावित वार्डों में नल का जल पहुंचाने की दिशा में काम कर रहा है। बाकी वार्डों में पंचायती राज विभाग नल का जल पहुंचाने का काम करेगा। सरकार की नई नीति के तहत वार्ड विशेष को ध्यान में रखकर नल का जल योजना बनाई जा रही है। पीएचईडी पंचायती राज विभाग को तकनीकी सहयोग करेगा। अब सरकार न तो नया ओवरहेड टैंक बनाकर पानी की आपूर्ति करेगी, न ही जल के लिए कहीं स्टैंड पोस्ट का निर्माण किया।

बीवी बोली- पति का पड़ोसी औरत के साथ संबंध है, ऐसे कराया मेरा अबॉर्शन

आरा। एक शादीशुदा महिला को बेहोश कर उसका अबॉर्शन कराए जाने का मामला सामने आया है। इसे लेकर महिला के बयान पर शनिवार को पति सास समेत दो डॉक्टर दंपती पर केस दर्ज किया गया है। डीएम के आदेश पर गठित मेडिकल बोर्ड ने महिला का अबॉर्शन कराए जाने से जुड़े मामले की जांच भी की।

पति और सास पर लगाया ये आरोप

महिला का इलाज सदर अस्पताल, आरा में चल रहा है। बताया जा रहा कि तियर थाना के हेतमपुर गांव की राधा शर्मा की बेटी पिंकी की शादी साल 2016 में टाउन थाना के चरखंभा गली मुहल्ला के रमेश शर्मा से हुई थी। इधर, पिंकी का आरोप है कि पति और सास ने मिलकर चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे पिला दिया। इसके बाद वह बेहोश हो गयी।

इधर, पिंकी ने टाउन थाना में दर्ज करायी गई प्राथमिकी में आरोप लगाते हुए कहा हैं कि जब उसे होश आया तो वह अपने को मौलाबाग स्थित शहरी स्वास्थ्य केन्द्र में पायी। महिला का आरोप है कि षड्यंत्र के तहत उसका अबॉर्शन करा दिया गया है। उसने अपने पति राजेश शर्मा सास राजवंती देवी पर डॉक्टर सिद्धनाथ शर्मा डॉ रीता शर्मा के साथ मिलकर अबॉर्शन कराए जाने का आरोप लगाया है। महिला के अनुसार सिद्धनाथ शर्मा उसके पति के बहनोई रीता शर्मा बहन है।

कहा- मेरे पति के हैं दूसरी महिला से अवैध संबंध

इधर, पुलिस को दिए गए बयान में पिंकी ने यह भी आरोप लगाया है कि ससुराल में उसे एक लाख रुपए दहेज के लिए शुरू से प्रताड़ित किया जा रहा था। इधर, उसके पति का अवैध संबंध पड़ोस की एक महिला रेखा से चला रहा था। जिसका वह विरोध करते चली रही थी। पति को अवैध संबंध के बीच की अड़चन गवारा नहीं थी। इसलिए उसने नशा खिलाकर गर्भपात करा दिया, ताकि पड़ोसी महिला को अपना सके। टाउन थाना इंस्पेक्टर जेपी सिंह ने बताया कि मामले में चार लोगों पर केस हुआ है।

इधर, जदयू नेता अभिषेक तिवारी ने कहा कि जिस महिला का गर्भपात कराया गया, वह तीन माह की प्रेगनेंट थी।

बनेगा बिजली बैंक, खपत न हो तो जमा कर जरूरत पर निकाल सकेंगी कंपनियां

पटना.अब बिहार में बिजली का पावर बैंक बनेगा। इससे जरूरत के अनुसार बिजली कंपनियां समय-समय पर बिजली ले सकेंगी। देश में पहली बार इस तकनीक का अनोखा प्रयोग होगा। इसके लिए विद्युत विनियामक आयोग नई गाइडलाइन बना रहा है। इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के आधार पर बन रहे इस गाइडलाइन में पावर डेवलपर्स को अपनी बिजली सुरक्षति रखने का अधिकार मिलेगा।

पावर बैंकिंग के तहत कोई पावर डेवलपर्स यदि बिजली पैदा करता है लेकिन उसकी पूरी खपत नहीं हो पाती है तो वह उसे पावर बैंक में सुरक्षति रख सकेगा। बाद में जब जितनी जरूरत होगी, उतनी बिजली वहां से निकाल सकेगा। गाइडलाइन में बिजली उत्पादक कंपनी को खपत में परेशानी न हो, इसी को ध्यान में रख नई व्यव-स्था हो रही है। नेट मीटरिंग पर भी काम हो रहा है। गाइडलाइन में बताया गया है कि बिजली की खपत न होने पर कंपनी उसे बैंक में डिपॉजिट करेगी।

लालू का आया बड़ा बयान 'भूरा बाल साफ करो' के बाद कहा 'भूरे चूहा' खा गए तटबंध

पटना. तटबंध घोटाले पर लालू ने एक बार भी हमला बोला है। लालू ने इस बार नीतीश कुमार की जगह सरकार के एक क़दावर मंत्री पर अपना हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 'भूरा चूहा' बिहार के तटबंधों को खा जा रहे हैं। लालू के इस बयान पर राजनीतिक मंथन शुरू हो गयी है। विरोधी लालू के इस बयान को अपने अपने हिसाब से विश्लेषण करने लगे हैं। लालू प्रसाद के 'भूरे चूहा' ने खा गए तटबंध पर मंथन शुरू हो गया है।

लालू रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर अपना नामांकन करने पार्टी कार्यालय पहुंचे थे। नामांकन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए लालू ने नीतीश पर कई तंज कसे। लालू ने कहा बिहार में घोटालों की सेल लग गयी है। एक घोटाला करने पर तीन घोटाले करने की यहां पर छूट है। तटबंध पर लालू ने सरकार के मंत्री पर बोला हमला लालू यहां पर ही नहीं रुके, तटबंध घोटाले पर बिहार के एक मंत्री पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार के तटबंधों को 'भूरे चूहा' खा रहे हैं। लालू के इस बायन पर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गयी है। राजनीतिक गलियारे में इसपर एक बार फिर से बहस छिड़ गयी है। इसका लोग अपने अपने तरीके से विश्लेषण कर रहे हैं। वहीं विरोधी लालू के इस बायना को कैश करने में जूट गए हैं। लालू प्रसाद ने इससे पहले 1990 में एक बड़ा बयान दिया था। देश में मंडल आयोग की सिफारिशें लागू होने के बाद बिहार में इसका विरोध शुरू हो गया था। समाज के दो वर्ग आपस में ही उलझ गए थे। लालू ने तब 'भूरा बाल साफ करो' (भूमिहार, राजपूत,ब्राह्मण और कायस्थ) का नारा दिया था। मंडल आयोग की सिफारिशों को बिहार में सवर्ण (भूमिहार, राजपूत,ब्राह्मण और कायस्थ) विरोध कर रहे थे। लालू के इस बयान के बाद समाज दो भागों में बंट गया था। बिहार के सवर्ण लालू के इस बायना के बाद से ही उनसे अपना नाता तोड़ लिया था। जबकि पिछड़े वर्ग के लोग लालू के एक मजबूत बोट बैंक बनकर उभरे थे लालू अपने इसी वोट बैंक की मदद से लंबे समय तक बिहार में शासन करते रहे। फिर से 'भूरा चूहा' का बयान देकर लालू अपने वोट बैंक को मजबूत करने का प्रयास किया है। लालू के ताजे बयान को भी इससे जोड़ कर देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषक भी इसे इसी से जोड़कर देख रहे हैं।

सचिन जीआईडीसी के दो छात्रों के अपहरण से सनसनी

सूरत। सचिन जीआईडीसी निवासी दो छात्रों के अपहरण से सनसनी फैल गई हैं । दो छात्र शुक्रवार की शाम मित्र को नोटबुक देने के लिए निकलने के बाद गुम हो गए थे । इसी बीच एक छात्र की पिता के सेल फोन पर अनजान नंबर फोन आया था और फोन करने वाले ने दोनो बच्चों को मुक्त करने के लिए 50 हजार की फिरौती मांग कर बच्चों को जानसे खत्म करने की धमकी दी । पुलिस सूत्रों के अनुसार सचिन जीआईडीसी के सुंदरम एपरमेन्ट निवासी संतोष भाई दयानिधि पात्र 42 नोकरी कर परिवार का गुजारा करते है । संतोष भाई का 14 वर्षीय पुत्र ओम धर के निकट के विधालय में कक्षा 10 में पढाई करता है ' शुक्रवार की शाम ओम मोहल्ले के निवासी तथा साथी छात्र आलोक के साथ सचिन जीआईडीसी के पालीगाव स्थित कैलाश नगर निवासी मित्र आदेश के धर नोटबुक देने गए थे । नोटबुक देने के बाद अचानक दोनो गुम हो गए थे। दोनो गुम छात्रों के परिजनों ने खोजबीन करने के बाद भी उनका अता पता नहीं चल पाया था । इसी बीच रात में संतोष पात्र की पत्नी पर अनजान नंबर से फोन आया था । फोन करने वाले अपहरण कर्ता ने तुम्हारा बच्चा हमारे कब्जे में है उसे मुकत करने के लिए आपको 50 हजार की फिरौती देनी पड़ेगी पैसे सचिन रेलवे स्टेशन पर सुबह 4 बजे दे देना ओर तुम्हारे बच्चे को लेजाना यदि पैसे नही दो गेतो तुम्हारे बच्चे को जानसे खत्म कर देगे की धमकी दी थी । वही इसी नबर से ओम के मित्र आलोक के पिता राकेश बाजपेयी के सेल फोन पर फोन कर तुम्हारा बच्चा जिंदा चाहिये तो 50 हजार लेकर सचिन रेलवे स्टेशन पर रातके दश बजे आ जाना । दोनो पीड़ित परिवार पर फिरौती के लिए फोन आने के चलते दोनो परिवारों के पैरों तलेसे जमीन सरक गई और तुरन्त सचिन जीआईडीसी पुलिस थाने में पहुच गए । पुलिस ने पीड़ित परिवार की शिकायत पर अपहरण व फिरौती का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है । इस मामले में पुलिस ने बताया कि जिस नंबर फिरौती का फोन आया था वह नंबर ओम की माता के सेल फोन से किया गया है ।

फिल्म पद्मावती के रिलीज के विरोध में अनेक हिंदू संगठनों ने निकाली रैली

सूरत। संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावती के रिलीज के विरोध में रविवार को अनेक हिंदू संगठनों ने रैली निकाल कर प्रदर्शन किया। श्री राजपूत करणी सेना की ओर से रविवार की सुबह 8 बजे परवत पाटिया, गंगा होटल के सामने से अठवा लाइंस जिला सेवा सदन तक विशाल रैली निकाली गई।

क्षत्रिय समाज, सूर्य सेना ने ज्ञापन सौपकर दी आंदोलन की कड़ी चेतावन

श्री हाटी दरबार क्षत्रिय समाज ट्रस्ट तथा सूर्य सेना चेरीटेबल ट्रस्ट ने रविवार को पद्मावती फिल्म के रिलीज के विरोध में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर फिल्म के रीलिज न रूकने पर कड़े आंदोलन की चेतावनी दी। कलेक्टर को सौपे ज्ञापन में कहा गया है कि इस फिल्म में हिंदू क्षत्रिय राजा की महारनी पद्मावती को मुगल बादशाह अलाउद्दीन खिलजी की प्रेमिका की तरह दर्शाया गया है। जो कि महारानी तथा उनके वंशजों का सरासर अपमान है। जबकि महारानी ने अपनी तथा राजपूत समाज की इज्जत के लिए 1600 क्षत्राणियों के साथ अग्नि में कूदकर जौहर किया था। मुगल बादशाह कभी भी पद्मावती तक नहीं पहुंच पाए थे। रानी पद्माती की इस वीर गाथा को का इतिहास साक्षी है जिसपर सारे हिंदू समाज को गर्व है। वे हिंदू समाज की रक्षक थी, अपनी संस्कृति के रक्षा के लिए उन्होंने जौहर का रास्ता अपनाया था। संजय लीला भंसाली ने अपने फिल्म में रानी पद्मावती के चरित्र को तोड़ मरोड़ कर चित्रण किया है। जिससे उनके वंशजों के साथ-साथ समस्त हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई है। यदि फिल्म के रिलीज को नहीं रोका गया तो हिंदुओं की भावनाएं आहत होगी जिसका समाज द्वारा घोर विरोध किया जाएगा।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने वनिता विश्राम से कलेक्ट्रेट तक निकाला विरोध मार्च

संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावती में राणी पद्माती के चरित्र का गलत चित्रण किए जाए के विरोध में रविवार की सुबह 10 बजे विश्व हिंदू परिषद तथा बजरंग दल के नेतृत्व में कई सामाजित संगठनों ने वनिता विश्राम, अठवागेट से अठवालाइंस, कलेक्ट्रेट तक विरोध मार्च निकाला।

उन पाटिया के युवक का 6 हजार का मोबाइल फोन चोरी

सूरत। उन पाटिया के गभेनी रोड स्थित राहत सोसायटी निवासी युवक का 6 हजार का मोबाइल फोन चोरी हो गया होने का मामला उधना थाने में दर्ज हुआ है । उधना पुलिस के अनुसार उनपाटिया के गभेनी रोड स्थित राहत सोसायटी निवासी मुनाफ इदरीश भाई कारनजावाला 30 नोकरी कर परिवार का गुजारा करता है । 10 नवम्बर की शाम मुनाफ उधना रेलवे स्टेशन के रिक्शा पार्किंग में खड़ा था इसी दौरान किसी अनजान बदमाश ने उसके जेब से 6 हजार रुपए का मोबाइल फोन चुराकर फरार हो गए था । हादसे के चलते उधना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शरू की है

विद्या सागर महाराज का संयम स्वर्णिम महोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

सूरत। श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल समाज सूरत आचार्य गुरुवर श्री 108 विद्या सागरजी महाराज की दीक्षा के 50वीं वर्ष पर रविवार को स्वर्णिम महोत्सव का आयोजन किया गया। वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के पेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत आचार्यश्री की पूजा एवं भक्ति द्वारा की गई। कार्यक्रम के दौरान गुरूवर के भजनों पर आधारित संगीत माला की प्रस्तुति दी गई।

उना में दलितों पर हुआ अत्याचार एक छोटी घटना थी: पासवान

एक दलित चेहरा मेवानी ने इसे शर्मनाक बयान बताते हुए पासवान के इस्तीफे की मांग की

अहमदाबाद (ईएमएस)। देश के वरिष्ठ दलित नेता में शुमार केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान का कहना है कि उना में दलितों पर हुआ अत्याचार एक छोटी घटना थी। लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख पासवान गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए घर-घर जाकर प्रचार के लिए उतरे है। जानकारी के मुताबिक यहां उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा, मैं इतना कहना चाहता हूं कि छोटी-मोटी घटनाएं होती रहती हैं। हमारे बिहार में भी ऐसी घटनाएं होती है। गुजरात में उना में एक छोटी सी घटना हो गई। गुजरात में खूब हंगामा मचा। लेकिन सरकार का काम है कार्रवाई करना। जब भी ऐसी घटना होती है, तो उसके बाद क्या कदम उठाए गए यह महत्वपूर्ण है। पासवान ने कहा कि गुजरात भारत का केंद्र बिंदु है और उसे गर्व होना चाहिए कि देश के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री इस राज्य से है। उना घटना को लेकर पासवान के इस बयान पर राष्ट्रीय दलित अधिकार मंच के संयोजक और राज्य में दलित चेहरे के तौर पर उभर जिग्नेश मेवानी ने आलोचना की है। उन्होंने इसे शर्मनाक बयान करार देते हुए पासवान के इस्तीफे की मांग की है। मेवानी ने कहा कि 'उना में दलितों पर अत्याचार को छोटी घटना बताने वाला पासवान का बयान शर्मनाक और उन दलितों के जख्म पर नमक छिड़कने जैसा है, जिन्हें अधनंगा करके पीटा और शहर में घुमाया गया। इस घटना को लेकर राज्य भर में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान करीब 30 दलितों ने जहर खा लिया, सड़कें और रेल लाइनें ठप रहीं। यह एक निर्मम घटना थी। हमारे बिहार में भी ऐसी घटनाएं होती है। गुजरात में उना में एक छोटी सी घटना हो गई। गुजरात में खूब हंगामा मचा। लेकिन सरकार का काम है कार्रवाई करना। जब भी ऐसी घटना होती है, तो उसके बाद क्या कदम उठाए गए यह महत्वपूर्ण है। पासवान ने कहा कि गुजरात भारत का केंद्र बिंदु है और उसे गर्व होना चाहिए कि देश के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री इस राज्य से है। हम यह मांग करते हैं कि इस तरह का शर्मनाक बयान देने वाले पासवान जी का बीजेपी इस्तीफा ले।

पाकिस्तान ने 55 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

अहमदाबाद। पाकिस्तानी सेना ने भारत के 55 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है। ये गिरफ्तारी शुक्रवार की रात को कच्छ इलाके के जखाऊ कॉस्ट के नजदीक हुई है। मछुआरों की 9 नाव भी जब्त की गई हैं। सभी को पाक समुद्री सीमा के अंदर घुसकर मछली मारने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पाकिस्तान की ओर से इसकी जानकारी भारत सरकार को दे दी गई है। आए दिन दोनों देशों के मछुआरे अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार होते रहते हैं। जानकारी के मुताबिक इस हफ्ते अब तक पाकिस्तानी मरीन की ओर से लगभग 79 मछुआरे पकड़े गए हैं।

कश्मीर से धारा 370 हटनी चाहिए : विजय रूपाणी

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज ने कश्मीर का भारत अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि कश्मीर से धारा 370 रद्द होने चाहिए। गुजरात गौरव महासंपर्क अभियान के तहत खेडा जिले के कठलाल में मुख्यमंत्री ने लोगों से संपर्क किया। इससे पहले सीएम रूपाणी ने वडोदरा के निकट सोखडा स्थित स्वामीनारायण मंदिर में भगवान के दर्शन कर हरिस्वरूपदास से आशीर्वाद लिए। मंदिर में सीएम रूपाणी ने अमरिष सेना के युवाओं को संबोधित किया और कहा कि गुजरात के विकास का रथ कभी नहीं रुकेगा। मुख्यमंत्री रूपाणी ने भाजपा सरकार की उपलब्धियों

का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात में महिलाओं की सुरक्षा बढी है। गुजरात में सांप्रदायिक दंगे अब इतिहास बन गए हैं। एक पूरी पीढ़ी है, जिसने दंगे नहीं देखे और यह माहौल भाजपा सरकार की वजह कायम हुआ है। हांलाकि इस दौरान रूपाणी के कश्मीर पर दिया गया बयान चर्चा का विषय बन गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में देश में कोमन सिविल कोड हो और कश्मीर से धारा 370 रद्द होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि कश्मीर से धारा 370 रद्द होकर रहेगी और कश्मीर को कोई भी भारत से अलग नहीं कर पाएगा। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा।

राहुल गांधी आज 7 मंदिरों में दर्शन करेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस)। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी तीन दिवसीय चुनावी यात्रा के दूसरे दिन 12 नवंबर को उत्तरी गुजरात के तीन मंदिरों में दर्शन करेंगे। उत्तरी गुजरात की पहले दिन की यात्रा कर आज शाम विख्यात शक्ति पीठ अंबाजी पहुंचे राहुल गांधी ने मां अंबा के दर्शन किए। अंबाजी के सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम के बाद 12 नवंबर को राहुल गांधी मां अंबा के दर्शन के साथ दूसरे दिन की यात्रा प्रारंभ करेंगे। अंबाजी के बाद राहुल गांधी बहुचराजी में बहुचर माताजी, शंखेश्वर में जैन प्रभु, पाटन जिले में कालिका मैया और दलितों के ईष्टदेव वीरमाया देव, वराणा में आई खोडियार माता और थरा में वाळीनाथ दादा समेत कुल 7 मंदिरों में दर्शन करेंगे। इसके अलावा पालनपुर, डीसा, थरा और पाटन में राहुल गांधी जनसभा को संबोधित करेंगे। यात्रा के अंतिम यानि 13 नवंबर को राहुल गांधी पाटण में कालिका मैया और वीमाया का दर्शन करेंगे। 9.30 बजे राणकी वाव, 10 बजे दलित समाज के नेतदाओं के साथ और वहां से 10.30 बजे हारिज जाएंगे। जहां से दोपहर 1 बजे शंखेश्वर पहुंचेंगे। जहां दर्शन कर दोपहर 2 बजे बहुचराजी और वहां से बायपास होते हुए मेहसाणा के मोढेरा रोड स्थित कच्छी कडवा पाटीदार वाडी के सामने महिला सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

मोदी सरकार की वजह से नहीं बढ़ा प्रदूषण: जावड़ेकर

अहमदाबाद। दिल्ली के लोग जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। प्रदूषण के स्तर में कोई कमी नहीं आई है। तापमान घटने की वजह से दिन-ब-दिन हालात और बुरे होते जा रहे हैं। इस पर मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर का एक बयान आया है। उन्होंने दिल्ली में प्रदूषण के लिए पिछली सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। गुजरात चुनाव प्रचार के दौरान अहमदाबाद में जावड़ेकर ने कहा, नरेन्द्र मोदी सरकार की वजह से प्रदूषण नहीं बढ़ा है। पिछले 10 साल से जो सरकार दिल्ली में थी, उसने इस विषय को गम्भीरता से नहीं लिया, जिसकी वजह से आज यह हालत है। सरकार पर्यावरण को लेकर गंभीर है। यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में दिल्ली का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहेगा और आसमान में कहीं-कहीं में बादल छाए रहेंगे। स्मॉग की वजह से वातावरण में काफी नमी रहेगी। 14-15 नवंबर के आस-पास हल्की बारिश की संभावना है, जिससे स्मॉग छंटेगा।

दो बार के विधायकों की टिकट काटेगी भाजपा

अहमदाबाद (ईएमएस)। 2017 के गुजरात विधानसभा के चुनाव में भाजपा दो बार जो विधायक रह चुके है। उनका टिकट काटकर वहां से नया उम्मीदवार खड करेगी। सूत्रों के अनुसार भाजपा ने जो आंतरिक सर्वे कराया था। उसमें लगभग 90 फीसदी विधायकों को लेकर मतदाताओं ने नाराजी जताई है। पिछले कुछ माहों में जिस तरह पाटीदार, दलित एवं व्यापारी भाजपा से नाराज हुए हैं। उसके बाद भाजपा नेतृत्व पुराने विधायकों पर दांव लगाने के स्थान पर जातीय समीकरण तथा स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी की है। भाजपा के इस निर्णय से लगभग 50 फीसदी वर्तमान विधायकों के टिकट कट जाएगें। भाजपा नेतृत्व यह विचार भी कर रहा है कि जिन विधायकों की टिकट कटेगी, वह ऐन समय पर भाजपा से विद्रोह ना कर दें। इससे बचने के लिए भाजपा जिन विधायकों की टिकट काटेगीा उनकी कुण्डली भी तैयार कर ली है। पिछले कुछ माहों में जिस तरह पाटीदार, दलित एवं व्यापारी भाजपा से नाराज हुए हैं। ताकि वह पार्टी से बगावत नहीं कर पायें। पहले चरण के चुनाव के नामांकन की तिथी जैसे' जैसे पास आ रही है। उसके साथ ही टिकट पाने वाले की जोड्तोड् नेताओं और पार्टी कार्यालय में देखने को मिल रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) **E-mail: krantisamay@gmail.com**